१५१वां अंक

फरवरी, २०२४

अनिल अभिव्यक्ति

सर्दी के फायदे

शीत के फायकू संजोए
आया यह अंक
तुम्हारे लिए
फायकू रचे कवियों ने
सुंदर भाव पिरोए
तुम्हारे लिए
शीत के विभिन्न रंग
लेकर आये फायकू
तुम्हारे लिए
अनिल अभिव्यक्ति के संग
जमे फायकू रंग
तुम्हारे लिए
समृद्ध किया फायकू भंडार
करता मैं आभार
तुम्हारे लिए
फायकू काव्य की नवीनतम
और लोकप्रिय विधा
तुम्हारे लिए
इसको अपनाओ, पहचान बनाओ
यह बहुत उपयोगी
तुम्हारे लिए
फायकू का आनंद उठाएं
रचें फायकू कविताएं
तुम्हारे लिए
जरूरी अवगत कराना
मत करना बहाना
तुम्हारे लिए
कैसा लगा यह अंक,
हमें जरूर बताना,
तुम्हारे लिए

डॉ. अनिल शर्मा 'अनिल'
संपादक

अपनी बातं

फायकू अंक के बहाने - फायकू की पड़ताल

फायकू का यह अंक निकालने की घोषणा के बाद आप सब रचनाकारों का इतना बड़ा रचनात्मक सहयोग आश्वस्त करता है कि काव्य की इस नवीनतम विधा की लोकप्रियता दिन ब दिन बढ़ रही है।

फायकू विधा में किसी मौसम विशेष पर किसी पत्रिका का यह पहला विशेषांक है। शीत पर आधारित इतनी बड़ी में एक साथ फायकू आने वाले समय में शोधकर्ताओं के लिए उपयोगी साबित होंगे।

यह सुखद विषय है कि इस विधा के प्रवर्तक वरिष्ठ साहित्यकार, पत्रकार, संपादक, शोधकर्ता श्री अमन कुमार त्यागी जी से हमें समय समय पर मार्गदर्शन मिलता है। इस अंक की संकल्पना के मूल में आप ही हैं। विषय विशेष पर आधारित फायकू विशेषांक हम भविष्य में भी प्रकाशित करेंगे।

फायकू विधा के इस अंक की सामग्री संकलन के दौरान की मित्रों ने इसके बारे में प्रश्न किए। हमने उनके उत्तर भी दिये। यहां इस विधा के प्रवर्तक अमन कुमार त्यागी का कथन उद्धृत करना प्रासंगिक होगा। वह कहते हैं कि हम 'फायकू' नाम से साहित्य की एक नई विधा को विकसित कर रहे हैं। यह ऐसी विधा है जो २०१२ में नजीबाबाद से फेसबुक के माध्यम से अवतरित हुई और किसी दावानल सी फैल गयी। मजेदार किन्तु साहित्य की सभी परिभाषाओं से परिपूर्ण फायकू को हाईकू की नकल मानने की भूल न करें। फायकू एक ऐसी खूबसूरत विधा है जो जमीन से जुड़ी हुई है। यहां कल्पना के घोड़े उड़ते हैं मगर उतरकर जमीन पर ही आ जाते हैं। क्योंकि FAYKO में FAY का अर्थ है तलछट (जमीन से मिला हुआ)।

प्रसिद्ध है कि आयरिश अपने नाम के बाद FAYKO शब्द का प्रयोग करते हैं। आयरिश में FAYKO का मतलब 'उड़ाने के लिए, हवा' (To blow, Wind) है। उतना ही उड़ाना जिससे जमीन पर वापिस आने में कोई कष्ट न हो।

यहीं से प्रेरित होकर फायकू को 'समर्पण' का प्रतीक मानते हुए रचना की गई है। इसी के साथ इसमें मात्र तीन पंक्तियों का प्रावधान रखा गया है। यह तीन पंक्ति हाइकू से ली गयी नहीं माना जाए बल्कि इसको तीन लोकों के रूप में लिया जाना चाहिए।

फायकू को अध्यात्म, भूगोल आदि से जोड़ते हुए आगे अमन जी इसकी बहुत बड़ी व्याख्या करते हैं। जिसकी चर्चा हम फिर कभी आगे करेंगे। इसी सन्दर्भ में वह कहते हैं कि अब फायकू की इन तीनों पंक्तियों को भी तीन लोक के रूप में समझने का प्रयास करें। इनमें प्रथम पंक्ति में उद्देश्य होता है। अर्थात वह बात जो कही जा रही है, जबकि दूसरी पंक्ति में स्थिति वर्तमान रहते हुए अपनी इच्छा, विश्वास, योजना आदि रचनाकार का कृत्य स्पष्ट करती है। और तीसरी पंक्ति में रचनाकार की समस्त कर्मशीलता, इच्छाएं, विश्वास, योजनाएं आदि अपने इष्ट के प्रति समर्पित हो जाती हैं।

सवाल यह था कि समर्पण को कैसे प्रदर्शित किया जाए? तमाम चिंतन और मंथन के बाद समर्पणभाव को ध्यान में रखते हुए अंतिम दो शब्द 'तुम्हारे लिए' निश्चित किए गए। ये दो शब्द 'तुम्हारे लिए' इस नई विधा को न सिर्फ नवीनता प्रदान करते हैं बल्कि उद्देश्य की पूर्ति भी करते हैं। यही दो शब्द इस रचना को प्रारंभ से अंत तक ऐसे बांध लेते हैं कि अनजान और अकवि भी सरलता के साथ फायकू की रचना कर सकता है।

अमन जी स्पष्ट कहते हैं कि यह पूर्णतः भारतीय विधा है। 'फायकू' प्रथम दृष्टि में भले ही 'हायकू' जैसा लगता हो मगर इसकी व्याकरण 'हाईकू' से एकदम भिन्न है। हायकू में तीन पंक्तियां होती हैं जिनमें प्रथम में पांच अक्षर दूसरी में सात अक्षर और तीसरी में पुनः पांच अक्षर होते हैं। फायकू का सम्बंध संगीत से भी है। यह पूर्णतः, विशुद्ध भारतीय काव्य विधा है।

फायकू का व्याकरण भी बताइए, यह प्रश्न सुनकर अमन जी मुस्कुराते हुए बताते हैं - फायकू में कुल तीन पंक्तियां हैं। प्रथम पंक्ति में चार शब्द अनिवार्य हैं जबकि दूसरी पंक्ति में तीन और अन्तिम पंक्ति में मात्र दो। अन्तिम पंक्ति के लिये दो शब्द ''तुम्हारे लिये।'' होना अनिवार्य है। प्रथम बार प्रथम रचनाकार अमन कुमार त्यागी के मुंह से निकला प्रथम फायकू देखें- गुनाहों की हर तरकीब/ मुझे आजमाने दो/ तुम्हारे लिये।

इस तरह हम देखते हैं कि फायकू स्वयं में एक पूर्ण विधा है। वर्तमान में देश विदेश में दो सौ से अधिक फायकूकार इस विधा में सर्जन कर रहे हैं।

अनिल अभिव्यक्ति के इस अंक के बहाने समकालीन फायकू में शीत ऋतु वर्णन पर एक उपयोगी अंक देने का प्रयास कहां तक सफल रहा। यह अवश्य बताएं।

सर्दी के फायकू

पवन कुमार सूरज

देहरादून

१
साल के मौसम चार
लाते हैं सौगात
तुम्हारे लिए

२
पतझड़ सावन बसंत बहार
होते सारे खास
तुम्हारे लिए

३
होती सर्दी की अपनी
अलग ही माया
तुम्हारे लिए

४
सर्दी की धूप, अनूप
लाती है सुकून
तुम्हारे लिए

५
लाती सरसों का साग
मक्की की रोटी
तुम्हारे लिए

६
मूँगफली गुड़ तिल चटनी
चीजों की भरमार
तुम्हारे लिए

७
संक्रांति, गणतंत्र, सकट पर्व
लाते नव हर्ष
तुम्हारे लिए

८
गेहूँ, सरसो, चना, मटर
होती फसलें हजार
तुम्हारे लिए

९
सर्दी सुख का बसंत
लाती खुशियाँ अनंत
तुम्हारे लिए

१०
भरती ऊर्जा नव जोश
'सूरज' सर्दी उपकार
तुम्हारे लिए

मनीषी सिन्हा

गाजियाबाद

१
सर्दी है कंपकंपाने वाली
होती नहीं धूप
तुम्हारे लिए

२
घने कोहरे ने किया
आना जाना मुश्किल
तुम्हारे लिए

२
अच्छी लगती है रजाई
अलाव है जलाई
तुम्हारे लिए

३
सर्द दिन और रात
चाय पकौड़े साथ
तुम्हारे लिए

४
ठिठुरन भरे दिन में
नहाना है मना
तुम्हारे लिए

५
सूर्योदय विलंब से होना
सोने का बहाना
तुम्हारे लिए

६
पौष्टिक खाना गर्म पहनना
आवश्यक स्वस्थ रहना
तुम्हारे लिए

७
मेथी, मटर, गाजर, मूली
पराँठा, हलवा, लड्डू
तुम्हारे लिए

८
मूँगफली, रेवड़ी लेकर आई
गुनगुनी धूप में
तुम्हारे लिए

९
ठिठुरी सर्द प्रकृति को
वसंत का इंतजार
तुम्हारे लिए

वर्तिका अग्रवाल'वरदा'

वाराणसी

१
हाड़ कँपाती शीत-ऋतु
अलाव लायी है
तुम्हारे लिए

२
गुलाबी धूप खिलखिलाती लायी
चाय की चुस्कियां
तुम्हारे लिए

३
यह ठिठुरन सर्द हवाएं
लायी रजाई-कंबल
तुम्हारे लिए

४
तिल के लड्डू मूंगफली
गाजर का हलुआ
तुम्हारे लिए

५
हरी घास, गुलाबी धूप
और शीतल बयार
तुम्हारे लिए

६
नानी के बुने स्वेटर
मोजे और दस्ताने
तुम्हारे लिए

७
डाली पर बैठी सर्दी
संग हवा लायी
तुम्हारे लिए

८
श्वेत पुष्प सम ओस
सिमटे पंखुड़ी पर
तुम्हारे लिए

९
पहनकर कोट टोपी मफलर
निकली हूं आज
तुम्हारे लिए

१०
ठिठुरन पर कुछ पंक्तियां
गढ़ रही हूँ
तुम्हारे लिए

सर्दी के फायकू

त्रिलोचन जोशी (टीसी गुरु)

राउमावि छीनीगोठ (चम्पावत)

१

वर्षा गर्मी ऋतुपति जाड़ा
नैसर्गिक प्रतिरूप बिगाड़ा
तुम्हारे लिए

२

अतिशय उमस लाती वर्षा
वसुंधरा अंतर्तम हर्षा
तुम्हारे लिए

३

हर्षित कृषक जूझे माली
सरपत्तर मुस्काती बाली
तुम्हारे लिए

४

ऊर्जित ख्वाब रहें आवश्यक
अधिकाधिक गर्दी घातक
तुम्हारे लिए

५

बर्फ सरीखा ज्ञान जमाते
समयांतर उसको पिघलाते
तुम्हारे लिए

६

क्षिति पावक अनिल समीरा
जलमय सागर गंभीरा
तुम्हारे लिए

७

रंग निराले कूची सुंदर
ऋतुचक्र रचते परमेश्वर
तुम्हारे लिए

८

भूतल वाला राहें चलता
अनुशासित गढ़ता रखवाला
तुम्हारे लिए

९

शिशिर पात झरेंगे सारे
मधुमास मोहक प्यारे
तुम्हारे लिए

१०

माघी खिचड़ी खूब खिलाना
दान पुण्य कमाना
तुम्हारे लिए

कनक पारख

विशाखापट्टनम

१

शीत ऋतु मन भाई
अंगीठी जलाके लाई
तुम्हारे लिए

२

कड़ाके की ठंड आई
शॉल, स्वेटर, रजाई
तुम्हारे लिए

३

चाय संग मेथी पुड़ी
गर्मागर्म सीरा पुड़ी
तुम्हारे लिए

४

मौसम की चले पुरवाई
पिकनिक ऋतु आई
तुम्हारे लिए

५

ठंडक का पूरा ठाट
लाई गर्मागर्म बाट
तुम्हारे लिए

६

घन में धुंध छाई
बहारें सुहानी आई
तुम्हारे लिए

७

सेहत का रखो ध्यान
दूध संग हल्दी
तुम्हारे लिए

८

ठिठुरते हैं लोग सारे
चौपालों में अलाव
तुम्हारे लिए

९

सर्दी की ठंडी बयारें
पकौड़े संग चटनी
तुम्हारे लिए

१०

जाड़े की है रातें
धूप लगे सुहानी
तुम्हारे लिए

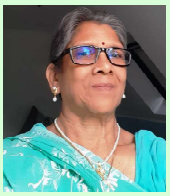

सुषमा श्रीवास्तव

रूद्रपुर, ऊधम सिंह नगर,
उत्तराखंड।

१

चल रही शीत लहर
ऑफिस का समय
तुम्हारे लिए

२

गर्मी बरसात या जाड़ा
काम निपटाने हैं
तुम्हारे लिए

३

सर्दी भर मौज उड़ाई
गर्मागरम भोजन था
तुम्हारे लिए

४

जलाई आग, सिंकाई हुई
आलू, बैंगन भुने
तुम्हारे लिए

५

धूप निकली, महफिल जमीं
रविवार दिन था
तुम्हारे लिए

६

दोस्तों साथ ठहाके गूँजे
हँसीखुशी अवकाश बीता
तुम्हारे लिए

७

सोमवार को कोहरा आया
इंतजार भास्कर का
तुम्हारे लिए

८

जाती सर्दी ने दिया
प्रकोप बर्फ का
तुम्हारे लिए

९

आकस्मिक अवकाश लेकर चले
रुपहली बर्फबारी देखी
तुम्हारे लिए

१०

जीवन के अद्भुत आनन्द
अविरल संग चले
तुम्हारे लिए

११

हर मौसम देता है
अपना एहसास सदा
तुम्हारे लिए

सर्दी के फायकू

रश्मि अग्रवाल

नजीबाबाद

१
दिसंबर से फरवरी तक
सर्दी का खुमार
तुम्हारे लिए

२
शीतकाल आकुल तन मन
तरुवर हैं बेजार
तुम्हारे लिए

३
सर्दी में बेहाल हैं
फुटपाथों पर लोग
तुम्हारे लिए

४
कोहरे की चादर में
दिनकर भी मौन
तुम्हारे लिए

५
यादों के कंबल में
उभरे स्वप्न सलोने
तुम्हारे लिए

६
पूरे यौवन पर सर्दी
लादे ढेर लिबास
तुम्हारे लिए

७
गजक, रेवड़ी याद दिलाती
सर्दी का मौसम
तुम्हारे लिए

८
सर्दी की खुमारी में
उन्मादों के सारे
तुम्हारे लिए

९
धीमी धीमी धूप सुहानी
सर्दी से बतियाती
तुम्हारे लिए

१०
सर्दी में फूली सरसों
छैल छबीला खेत
तुम्हारे लिए

सत्येन्द्र शर्मा 'तरंग'

देहरादून

१
शरमाती तो है धूप
फिर भी खिलती
तुम्हारे लिए

२
सूर्य प्रभा लगती भली
आयी मधु मुस्कान
तुम्हारे लिए

३
भावन लगते ओस कण
करती भू शृंगार
तुम्हारे लिए

४
दिखती बूँदे ओस की
जैसे बिखरे मोती
तुम्हारे लिए

५
सर्दी कोमल तुम जैसी
मन करे अठखेलियाँ
तुम्हारे लिए

६
कण कण स्पंदन करे
शीत धूप गुनगुनी
तुम्हारे लिए

७
बसन्त से पहले ही
दिन हुए बासन्ती
तुम्हारे लिए

८
पात झरते हुए कहते
पुष्प खिलेंगे फिर
तुम्हारे लिए

९
सर्दी निखारती सौंदर्य तुम्हारा
सर्दी है उपहार
तुम्हारे लिए

१०
लिखता है 'तरंग' फायकू
सर्दी में मनमीत
तुम्हारे लिए

अर्चना चौहान

किरतपुर

१
धरती अंबर तक कोहरा
मद्धम सी धूप
तुम्हारे लिए

२
गजक, रेवड़ी, मूँगफली, बादाम
बर्फी का आंनद
तुम्हारे लिए

३
हाड़ गलाती, बर्फीली सर्दी
गुड़ संग दूध
तुम्हारे लिए

४
झांकता कोहरे से बादल
कुनकुनी सूरज किरणें
तुम्हारे लिए

५
मकर संक्रांति, गंगा स्नान
तिल गुड़ दान
तुम्हारे लिए

६
उड़ती रंगीन सुंदर पतंगे
पतंग बाजी आनंद
तुम्हारे लिए

७
घास पर पाले की बूंदे
मोती का हार
तुम्हारे लिए

सर्दी के फायकू

शुभा शुक्ला निशा

रायपुर छत्तीसगढ़

१
साल की ऋतुएं चार
पतझड़ सावन बसंत
तुम्हारे लिए

२
गर्मी आग को उगलती
बारिश आए भिगोने
तुम्हारे लिए

३
ठंडी ठंडी शीत ऋतु
सबको ठिठुराने आई
तुम्हारे लिए

४
मकर संक्रांति की बधाई
तिल चिक्की लड्डू
तुम्हारे लिए

५
कड़कती ठंड में रजाई
धुंआ निकलती चाय
तुम्हारे लिए

६
रंग बिरंगे सुंदर कपड़े
जहां में बिखरे
तुम्हारे लिए

७
ठंडी में ताता पानी
बड़ा लगे अच्छा
तुम्हारे लिए

८
शीत ऋतु में सर्दी
खांसी और बुखार
तुम्हारे लिए

९
फिर अदरक की चाय
काली मिर्च वाली
तुम्हारे लिए

१०
शीत ऋतु गरम सूप
साथ फ्रेंच फ्राइज
तुम्हारे लिए

११
शीत दिखाए अपनी शान
सुंदर स्वेटर शॉल
तुम्हारे लिए

१२
जानवरों का करना इंतजाम
हर्षित हो नाचेंगे
तुम्हारे लिए

१३
चार मौसम रूप चार
गर्मी सर्दी फुहार
तुम्हारे लिये

१४
कभी कभी कोहरा दिखता
मन खुश करता
तुम्हारे लिए

१५
शीत ऋतु में सर्दी
दुख भी लाती
तुम्हारे लिए

१६
गरीबों को देना कंबल
करेंगे प्रार्थना वो
तुम्हारे लिए

अनुजा दुबे 'पूजा'

वरुण, महाराष्ट्र

१
आई है शीत ऋतु
लिए नये त्यौहार
तुम्हारे लिए

२
ठिठुरन भरी सर्द हवाएं
कोहरे की चादर
तुम्हारे लिए

३
तिल गुड़ की मिठास
सब्जियों की बहार
तुम्हारे लिए

४
नहाना हुआ है मुश्किल
कड़कड़ाती ठंड में
तुम्हारे लिए

५
सर्दी न हो जाए
बनाती मां काढ़ा
तुम्हारे लिए

६
ऊनी कपड़े कोट रजाई
आ जाते बाहर
तुम्हारे लिए

७
खुले में जलते अलाव
फैलाने को गरमाहट
तुम्हारे लिए

८
सूप चाय कॉफी ललचाए
जब जब आए
तुम्हारे लिए

९
राहत का काम करता
कोहरे बीच सूर्य
तुम्हारे लिए

१०
दिन छोटे राते लम्बी
फिर सुहावनी भोर
तुम्हारे लिए

११
रखो बुजुर्गो का खयाल
'पूजा' का संदेश
तुम्हारे लिए

यशोधर डबराल

नजीबाबाद

१
मौसम सर्द, आतशी साँसे
है मेरा समर्पण
तुम्हारे लिए

२
हाड़ कंपाए, शीत हवाएं
ये चमका सूरज
तुम्हारे लिए

३
गर्म मूंगफली, गजक-रेबड़ी
सब थाल सजाए
तुम्हारे लिए

४
मुझसे थी नाराज प्रिये!
ले आया स्वेटर
तुम्हारे लिए

५
सर्दी खून जमाए जालिम
अभी हूँ जिंदा
तुम्हारे लिए

६
अंगीठी-हीटर, गीजर-पानी
इस सर्दी में
तुम्हारे लिए

७
बर्फ देखने चलें मनाली
टिकट कटा दूँ?
तुम्हारे लिए

८
सर्दी बहुत कड़ाके वाली
चाय बना दूँ?
तुम्हारे लिए

९
रातें खाँस गुजारी तुमने
दवा मंगा दूँ?
तुम्हारे लिए

१०
गर्म बिछौना छुवन तुम्हारी
उच्छवास ये मेरा
तुम्हारे लिए

सर्दी के फायकू

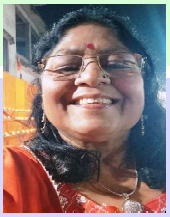

सरोज दुगड़ 'सविता'

- खारूपेटिया - असम

१
आई कंपकपाती ठंडक
जला अंगीठी लाई
तुम्हारे लिये
२
कश्मीर का पशमिना शाल
लाई सर्दी की सौगात
तुम्हारे लिए
३
अदरक वाली गर्म चाय
पकोड़े हरी चटनी
तुम्हारे लिये
४
तिल के लड्डु और गजक
खाने में लगते गजब
तुम्हारे लिए
५
गाजर हलवा गर्म समोसा
गर्म चाय प्याला
तुम्हारे लिए
६
रजाई ओढ़ सो जाना
सर्दी में गरमाना
तुम्हारे लिए
७
अलाव मे शकरकंदी सेकना
मूंगफली छील खाना
तुम्हारे लिए
८
पहाड़ों पर हुई बर्फबारी
घूमने आए सैलानी
तुम्हारे लिए
९
घना कोहरा छा गया
मन बेइमान हुआ
तुम्हारे लिए
१०
ठंठी सूनी अंधेरी रात
हुई हसीन मुलाकात
तुम्हारे लिए
११
पहाड़ों से डूबता सूरज
झेलम पर उतरा
तुम्हारे लिए
१२
दिवानी बजाती रब्बाब
गाती मुहब्बत गान
तुम्हारे लिए
१३
गुलाब कर रहा श्रृंगार
ओसीले मोतियों से
तुम्हारे लिए
१४
छत पर गुनगुनी धूप
चारपाई है बिछाई
तुम्हारे लिए
१५
वादियों मे उठता धुंआ
इश्क हुआ जवां
तुम्हारे लिए

डॉ. बेगराज यादव 'प्रणाम सर'

१
ठंड में ठिठुरता तन
बेचेन हुआ मन
तुम्हारे लिये।
२
गलन का लगा दरवाजा
ओस बनी पहरेदार
तुम्हारे लिये।
३
दही, मक्खन, चटनी, आचार
खिचड़ी के साथ
तुम्हारे लिये।
४
गाजर हलवा, गर्मागर्म पकौड़ी
चाय के साथ
तुम्हारे लिये।
५
दस्ताने-मफलर-बूट-जैकेट
बनी कश्मीरी कली
तुम्हारे लिये।
६
गुड़, रेवड़ी, मूंगफली, गजक
लोहड़ी का त्यौहार
तुम्हारे लिये।
७
पहन कोट और टोपा
जलेबी समोसा लाया
तुम्हारे लिए।
८
अजब सर्दी, गजब सर्दी
हुए गाल गुलाबी
तुम्हारे लिए।
९
कोहरे का लगा पहरा
पाले का ताला
तुम्हारे लिए।
१०
पा कर स्पर्श तुम्हारा
जला अलाव सा
तुम्हारे लिए।

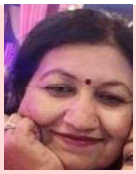

चारू राजपूत

१
सर्दी ने सितम ढाया
सकुचायी सी धूप
तुम्हारे लिए
२
घना कोहरा शीत लहर
जलती हुई अंगीठी
तुम्हारे लिए
३
ठिठुरन, सिहरन और कंपन
अदरक वाली चाय
तुम्हारे लिए
४
ठंडी और बर्फीली हवाएं
कभी सुनहली धूप
तुम्हारे लिए
५
सर्दी में बरसता कोहरा
बारिश का एहसास
तुम्हारे लिए
६
सर्दी के मौसम में
खाने की बहार
तुम्हारे लिए
७
घने कोहरे को भेदती
सूरज की किरणें
तुम्हारे लिए
८
सर्दी की बारिश है
मौसम का उपहार
तुम्हारे लिए
९
स्वप्न की रानी सदृश
सर्दी की धूप
तुम्हारे लिए
१०
माघ का पवित्र माह
स्नान, दान, व्रत
तुम्हारे लिए

संदीप कुमार शर्मा

१.
जाड़े का मौसम आया
ठिठुर गए हम
तुम्हारे लिए
२.
पानी बहुत ठंडा लगता
फिर भी नहाते
तुम्हारे लिए
३.
गर्म कपड़े हम पहनते
सर्दी से बचते
तुम्हारे लिए
४.
सर्दी में चाय पीते
कई कई बार
तुम्हारे लिए
५.
जिस दिन धूप निकलती
बड़ी प्यारी लगती
तुम्हारे लिए
६.
कोहरे में तो हमेशा
याद आता कम्बल
तुम्हारे लिए
७.
तैयार है साग और
मक्के की रोटी
तुम्हारे लिए
८.
सब्जियों की बहार रहती
मजे से खाते
तुम्हारे लिए
९.
रोज देर तक सोते
रजाई अच्छी लगती
तुम्हारे लिए
१०.
सर्दियों में छूट्टी रहती
घर पर पढ़ते
तुम्हारे लिए

– नजीबाबाद, बिजनौर उत्तर प्रदेश

संजय प्रधान

१.
ज्यादा जाड़ा अच्छा नहीं
धूप जरूरी है
तुम्हारे लिए
२.
थोड़ा सोना थोड़ा विश्राम
बहुत जरूरी है
तुम्हारे लिए
३.
गुड़, पट्टी, मूंगफली, रेवड़ी
मैंने मंगवाए है
तुम्हारे लिए
४.
शाल, स्वेटर, कंबल, रजाई
ओढ़ना जरूरी है
तुम्हारे लिए
५.
शहद, अदरक, लौंग, कालीमिर्च
चाय जरूरी है
तुम्हारे लिए
६.
गुनगुनाओ कोई मधुर गीत
बहुत अच्छा है
तुम्हारे लिए
७.
रक्त धीमे बहता है
व्यायाम जरूरी है
तुम्हारे लिए
८.
सर्दी में गर्म पानी
बहुत जरूरी है
तुम्हारे लिए
९.
जाड़े के सुंदर फूल
अभी मंगाए हैं
तुम्हारे लिए
१०.
सर्दी के मौसम में
बचाव जरूरी है
तुम्हारे लिए

– देहरादून

डॉ.पुष्पा सिंह

१
शीत लहर की कहर
सूर्यदेव हुए कैद
तुम्हारे लिए
२
शीतल हवा हड्डी तोड़े
ठंडक शीतल कोहरा
तुम्हारे लिए
३
कोहरे की चादर बिछी
सर्दी बनी कटार
तुम्हारे लिए
४
आग सेंकते सब बैठकर
माँ लाई शॉल
तुम्हारे लिए
५
पशु पक्षी ठिठुरे पड़े
जीवन हुआ बेहाल
तुम्हारे लिए
६
रेल जहाजें रुक गईं
काज हुए अकाज
तुम्हारे लिए
७
गरम पकोड़े बन रहे
हीटर भी जला
तुम्हारे लिए
८
स्वेटर जैकेट मौजे दस्ताने
धोकर हैं तैयार
तुम्हारे लिए
९
हवा मूंगफली रोटी साग
सर्दी का भोजन
तुम्हारे लिए
१०
रजाई गद्दे सब तैयार
अवकाश का इंतजार
तुम्हारे लिए

डॉ. वीना गर्ग

१
सर्दी का मौसम है
गरम गरम हलवा
तुम्हारे लिए
२
काँप रहा सूरज भी
देता थोड़ी धूप
तुम्हारे लिए
३
ठिठुराती है शीत लहर
खिलेगी फिर धूप
तुम्हारे लिए
४
गाजर का हलवा भी
बना रही मां
तुम्हारे लिए
५
माँ ने कहा है
बुनूँगी मैं स्वेटर
तुम्हारे लिए
६
सजी है मेज पर
गरम गरम काफी
तुम्हारे लिए
७
मक्का की रोटी है
सरसों का साग
तुम्हारे लिए
८
ईश्वर ने बनाया है
सरदी का मौसम
तुम्हारे लिए
९
ये गरम कोट भी
सरदी में जरूरी
तुम्हारे लिए
१०
सरकार ने किया है
शीत में अवकाश
तुम्हारे लिए

– मुजफ्फरनगर।

रेनू बाला सिंह

१
शाल स्वेटर मफलर टोपी
जूते मोजे दस्ताने
तुम्हारे लिए
२
किटकिटाता जाड़ा बचाव करता
अलाव जलाकर तापना
तुम्हारे लिए
३
सर्दी में बुजुर्गों की
हालत होती गंभीर
तुम्हारे लिए
४
गर्मा गर्म पानी पीकर
जाड़ा दूर भगाएं
तुम्हारे लिए
५
अदरक काढ़ा और चाय
हल्दी एक उपाय
तुम्हारे लिए
६
सर्दी में हरी सब्जियां
स्वास्थ्य सुरक्षित करती
तुम्हारे लिए
७
सेहतमंद स्वास्थ्य की खातिर
पौष्टिक आहार चाहिए
तुम्हारे लिए
८
कंपकंपाती ठंड से राहत
गर्म कपड़े पहनते
तुम्हारे लिए
९
सर्दी सर्दी करते करते
कट जाएंगे दिन
तुम्हारे लिए
१०
आया जाड़ा चला जाएगा
सुहाना मौसम आएगा
तुम्हारे लिए
– गाजियाबाद

सुधीर राणा के फायकू

१
सर्दी आयी सर्दी आयी
कोहरा साथ लायी
तुम्हारे लिए।
२
आया जाड़ा छाया खुमार
ढक दिया सूरज
तुम्हारे लिए।
३
शीत आया साथ लाया
सरसों दा साग
तुम्हारे लिए।
४
सर्दी आयी साथ लायी
मक्का दी रोटी
तुम्हारे लिए।
५
मूंगफली रेवड़ी बाजरा खिचड़ी
सर्दी का खजाना
तुम्हारे लिए।
६
स्वेटर,शाल और रिजाई
सर्दी साथ लायी
तुम्हारे लिए।
७
चेहरा गुलाबी नाक लाल
सर्दी का कमाल
तुम्हारे लिए।
८
पहन स्वेटर मफलर डाल
बन गये केजरीवाल
तुम्हारे लिए।
९
धूप को तरस गये
जीना हुआ मुहाल
तुम्हारे लिए।
१०
गर्म चाय की चुस्की
सर्दी की मस्ती
तुम्हारे लिए।
११
सर्दी और गिरती ओस
घटा हुई मदहोश
तुम्हारे लिए।
१२
बहती नाक ठंडियाते कान
लाल हुए गाल
तुम्हारे लिए।
१३
अनिल भैया और अमनजी
लो रखो रूमाल
तुम्हारे लिए।

सुबोध कुमार शर्मा शेरकोटी

फायकू... शीत
१
आई है शीत बयार
हुए सब लाचार
तुम्हारे लिए
२
चहुँ दिशि छाया कोहरा
धुमिल सूर्य चेहरा
तुम्हारे लिए
३
इन्द्र ने पिटारा खोला
बरसाया है ओला
तुम्हारे लिए
४
बादाम काजू का जलवा
गाजर बनाया हलवा
तुम्हारे लिए
५
शकरकंद ओर मूंगफली आई
खूब गरम करवाई
तुम्हारे लिए
६
मलयानिल ने ली अंगड़ाई
मंगाई है रजाई
तुम्हारे लिए
७
अपना सब गीत गाये
मीत तराने गाये
तुम्हारे लिए
८
अनिल को अनल भाये
रवि धूप लाये
तुम्हारे लिए

गदरपुर
ऊधम सिंह नगर उत्तराखंड

सीता त्रिवेदी

जलालाबाद शाहजहांपुर

१
ठंड का अपना आनंद
प्रकृति का उपहार,
तुम्हारे लिए
२
शरद शरद मस्त हवाएं,
परिवर्तन मौसम का
तुम्हारे लिए
३
शरद ऋतु का मौसम
देता कई सौगात
तुम्हारे लिए
४
चना मटर गेहूं की
खाद्य पोषित फसलें
तुम्हारे लिए
५
ठिठुरन आ गई खेत
अच्छी गेहूं फसल
तुम्हारे लिए
६
मौसम कोई हो हर
मौसम अपना अर्थ
तुम्हारे लिए
७
ठिठुरन की वजह से
धूप का आनंद
तुम्हारे लिए
८
सर्दी मौसम की सौगात
अद्भुत अनमोल उपहार
तुम्हारे लिए
९
तन ढकने के खूबसूरत
अलग अंदाज परिधान,
तुम्हारे लिए
१०
खाने के नयें व्यंजन
चाय पकौडीं कचौड़ी
तुम्हारे लिए
११
जब सर्द हवाएं होती
अपनों का ख्याल,
तुम्हारे लिए
१२
भोजन होता नहीं खराब
गर्म करो खाओ,
तुम्हारे लिए
१३
सर्दियों में स्वेटर बुनती
अपनापन संजोए प्यार
तुम्हारे लिए
१४
जलती आग के सहारे,
सारा परिवार साथ
तुम्हारे लिए
१५
भाग्यवान जन्म उत्तर भारत
हर मौसम आनंद
तुम्हारे लिए

मीना जैन

पेंसिलवेनिया

१
सर्दी की कंपकंपाती ठिठुरन
अलस जगाती सिहरन
तुम्हारे लिए
२
सर्दियों की कुनमुनाई धूप
निखारती श्यामल स्वरूप
तुम्हारे लिए
३
कोहरे की घनी चादर
सर्दी भीतर-बाहर
तुम्हारे लिए
४
सावधानी है बहुत आवश्यक
शारीरिक क्षमता प्रतिरोधक
तुम्हारे लिए
५
जाड़े की साँझ धुंधलायी
लंबी रात अंधियारी
तुम्हारे लिए
६
जगह-जगह अलाव जले
दीर्घ वार्तालाप चले
तुम्हारे लिए
७
शिशिर ऋतु अति भयंकर
हाड़कंपाती शीत कष्टकर
तुम्हारे लिए
८
वृद्धजन हुए बहुत लाचार
चाहते सेवा उपचार
तुम्हारे लिए
९
परमार्थ सहायता करें अवश्य
मिल जाएगा पुण्य
तुम्हारे लिए
१०
पर्वत पर भारी हिमपात
शीत कंपाती गात
तुम्हारे लिए

डॉ. माया सिंह माया

१
किस तरह सर्दी बचाऊं
और आऊं द्वार
तुम्हारे लिए
२
ठंड भीषण है कंपाऊ
स्नेह चादर ओढ़ाऊं
तुम्हारे लिए
३
है घना कोहरा नहीं,
दिखता है कुछ
तुम्हारे लिए
४
बर्फ सी जमती हुई
राहें कठिन हैं
तुम्हारे लिए
५
सुन्न होती उंगलियां सब
चाय कैसे बनाऊं
तुम्हारे लिए
६
धुंध, कोहरा, यह गलन
उफ जिए कैसे
तुम्हारे लिए
७
अलसी, तिल, के लड्डू
बनाये प्यार से
तुम्हारे लिए
८
ठंड, बारिश की हवाएं
इतरा के चलती
तुम्हारे लिए
९
आता दिखाई दे रहा
प्रीति का बसंत
तुम्हारे लिए

- उरई जालौन उत्तर प्रदेश

डॉ. भगवान प्रसाद उपाध्याय

१
शीत ऋतु आ गई
कष्टप्रद हुए दिन
तुम्हारे लिए
२
ठंडी हवा दुखदायी है
गरम कपड़े चाहिए
तुम्हारे लिए
३
कुहरा पाला पुरवाई में
अलाव जला दूंगा
तुम्हारे लिए
४
जाड़े का महीना है
शाल स्वेटर चाहिए
तुम्हारे लिए
५
ठंडी में तापमान गिरा
सुरक्षा बहुत जरूरी
तुम्हारे लिए
६
आओ ठंड से बचें
रजाई बहुत जरूरी
तुम्हारे लिए
७
शीत जब चली जाएगी
सुंदर होगा समय
तुम्हारे लिए
८
बाहर निकलना मना है
भयंकर ठंडी में
तुम्हारे लिए
९
गरम गरम ताजी चाय
बना कर लाऊँगा
तुम्हारे लिए
१०
अनिल अभिव्यक्ति की प्रेरणा
अत्यंत सार्थक है
तुम्हारे लिए

गंधियांव करछना प्रयागराज
उ.प्र. - २१२३०१
मो ८२९९२८०३८१

डॉ. अनिल शर्मा 'अनिल'

१
हाड़ कंपाती यह सर्दी,
मौसम हुआ बेदर्दी,
तुम्हारे लिए
२
ओढ़ कोहरे की चादर,
सूर्यदेव बैठे घर,
तुम्हारे लिए
३
ओस, पाला, कोहरा घना,
मौसम हुआ अनमना
तुम्हारे लिए
४
शुष्क न हो खाल,
रखो थोड़ी देखभाल
तुम्हारे लिए
५
शुद्ध सात्विक पौष्टिक खानपान
सुरक्षित रखेगा जान
तुम्हारे लिए
६
समुचित वस्त्रों का उपयोग,
दूर रखेगा रोग,
तुम्हारे लिए
७
बालकों की विशेष देखभाल
जरूरी उनकी संभाल
तुम्हारे लिए
८
गर्म पेय-सूखे मेवा,
सर्दी के हरलेवा
तुम्हारे लिए
९
दिन छोटे लंबी रातें,
सर्दी में आते
तुम्हारे लिए
१०
सर्दी अभिशाप नहीं वरदान
सेहत बनाओ श्रीमान
तुम्हारे लिए

लक्ष्मी सिंह

जलालाबाद शाहजहांपुर

१
शीत ऋतु के फायकू
लक्ष्मी है लाई
तुम्हारे लिए
२
पढ़िए सर्दी के फायकू
अनिलजी की प्रेरणा
तुम्हारे लिए
३
धरा से अंबर तक
छाया है कोहरा
तुम्हारे लिए
४
ठिठुरता तन और मन
सर्द ठंडी रातें
तुम्हारे लिए
५
मन को खूब भाये
सर्द गुनगुनी धूप
तुम्हारे लिए
६
स्वेटर शॉल कंबल रजाई
मन को भाये
तुम्हारे लिए
७
मां का बुना स्वेटर
है उनका एहसास
तुम्हारे लिए
८
पुरा जला चटिया लगाई
बाबा के किस्से
तुम्हारे लिए
९
गरम चाय की प्याली
आलू की कचौड़ी
तुम्हारे लिए
१०
ओस से भीगी घास
मोहते धरा सौंदर्य
तुम्हारे लिए
११
पीली पीली सरसों फूली
हरी साग सब्जियां
तुम्हारे लिए
१२
हाड़ कंपाती सर्दी में
खेतों पर किसान
तुम्हारे लिए
१३
और सैनिक मुस्तैद खड़े
प्रहरी सर्द रात
तुम्हारे लिए
१४
हर मौसम का अपना
मजा और मिजाज
तुम्हारे लिए

सुखमिला अग्रवाल भूमिजा

१
जाड़ा जाने को आतुर
बसंत खडा तैयार
तुम्हारे लिए
२
जाडे ने जब तडपाया
हमने स्वेटर बनाया
तुम्हारे लिये
३
लड्डु गजक रेवड़ी मूँगफली
सर्दी की सौगात
तुम्हारे लिए
४
सर्दी से सर्दी हारी
लौट करे तैयारी
तुम्हारे लिये
५
सर्दी में गर्माहट देती
लाई सुन्दर रजाई
तुम्हारे लिये
६
चुन्नु मुन्नु बंटी बिट्टू
छुट्टी लेकर आये
तुम्हारे लिये
७
ओस, वर्षा, धुंध, कोहरा
डाल रहे व्यवधान
तुम्हारे लिए
८
बुखारी से हीटर निकाला
साफ उसको करवाया
तुम्हारे लिए
८
जल्दी आफिस से आना
पौषबड़े की दावत
तुम्हारे लिये
९
गर्मागर्म पकौड़े गाजर हलुआ
मैंने किया तैयार
तुम्हारे लिए

जयपुर राजस्थान

डॉ. अशोक शर्मा

१
ये ठंड शीघ्र जाएगी
बसंत फिर लाएगी
तुम्हारे लिए
२
ईश की है रीत
जरूरी है शीत
तुम्हारे लिए
३
शीत से यूं घबराना
अच्छा नहीं है
तुम्हारे लिए
४
सर्दी की पार्टियों में
आइसक्रीम है हानिकारक
तुम्हारे लिए
५
सर्दी में कोल्डड्रिंक पीना
फैशन हो गया
तुम्हारे लिए
६
सर्दी का मौसम है
सावधानी है जरूरी
तुम्हारे लिए
७
सर्दी आती और जाती
खांसी जुकाम लाती
तुम्हारे लिए
८
सर्दी जब ज्यादा सताए
अदरक की चाय
तुम्हारे लिए
९
चाय कॉफी और काढ़ा
भगाएं सर्दी जाड़ा
तुम्हारे लिए
१०
कंपकंपाती सर्दी बहुत सताए
मुझसे फायकू लिखवाए
तुम्हारे लिए

बिजनौर

डॉ. प्रमोद शर्मा प्रेम

नजीबाबाद बिजनौर

१
सर्दी बडा विषम मौसम
काल गरीबी में
तुम्हारे लिए
२
जाडे में कांपे गात
कंबल दे साथ
तुम्हारे लिए
३
सर्दी में आहत सूरज
निकलना चाहता है
तुम्हारे लिए
४
धीरे धीरे ढल रही
सर्दी की शाम
तुम्हारे लिए
५
कंबल, जर्सी, टोपा, जैकेट
करते ठण्डक प्रतिरोध
तुम्हारे लिए
६
सरसों,मूली,गाजर,गोभी
सर्द मौसम प्रसाद
तुम्हारे लिए
७
सर्दी से करे बचाव
सूखे मेवा बादाम
तुम्हारे लिए
८
खायें हर सर्दी जरूर
अच्छा है आंवला
तुम्हारे लिए
९
सर्दी बुढ़ापे में लगे
दुश्मन सी, सच
तुम्हारे लिए
१०
सर्दी गर्मी और बरसात
मौसम के नजारे
तुम्हारे लिए

डॉ. सारंगादेश 'असीम'

१
अनिल अभिव्यक्ति में प्रकाशनार्थ
लिखे दस फायकू
तुम्हारे लिए
२
माघ की ठंडी हवाएं
फागुनी संदेश है
तुम्हारे लिए
३
डटे बर्फीली सीमाओं पर
वीर सैनिक महान
तुम्हारे लिए
४
और हम रजाई में
लिखते रहे गान
तुम्हारे लिए
५
नारी शक्ति सुबह शाम
कंपकंपाती करे काम
तुम्हारे लिए
६
फटी कथरी ओढ़ श्रमिक
रातभर करे काम
तुम्हारे लिए
७
और हम चाय संग
करते रहे शीतगान
तुम्हारे लिए
८
एक चाय वाले को
सिर्फ देश महान
तुम्हारे लिए
९
देश दुनियां छोड़ करें
सर्दी का गुणगान
तुम्हारे लिए
१०
वाह अवध आए राम
बनाने बिगड़े काम
तुम्हारे लिए
११
देश का बच्चा बच्चा
बन जाए राम
तुम्हारे लिए

– सारंगाश्रम, धामपुर

शोभा सोनी

१
शीतल हवा आती है
महक उठी फिर
तुम्हारे लिए
२
नई सुबह हुई आज
नए तराने लाई
तुम्हारे लिए
३
खिली फिजाएं खिले दिल
नये नगमे गाये
तुम्हारे लिए
४
चाहोगे तुम आज मुझे
बिखरेंगी किरणे जरूर
तुम्हारे लिए
५
ठिठुरी हुई रात है
जिंदगी भी थमी हैं
तुम्हारे लिए
६
ले आऊं मैं अलाव
प्रेम तपन भरा
तुम्हारे लिए
७
साथ चलेंगे हम तुम
छाव धूप बनके
तुम्हारे लिए
८
पुकारती हैं सर्द हवाएं
देती हैं सदाएं
तुम्हारे लिए

– बड़वानी, मध्य प्रदेश

सविता वर्मा 'ग़ज़ल'

१
बहुत दिनों के बाद।
आया ठंडा साल।
तुम्हारे लिए
२
जाड़ा चढ़ जाए, पियो ।
अदरक तुलसी चाय।
तुम्हारे लिए।
३
कोहरा, पाला, शीत लहर
सर्दी गजब पड़ी।
तुम्हारे लिए
४
निकला सुबह का सूरज
छंट गई धुंध।
तुम्हारे लिए
५
सुगम पाखी का संगीत
छेड़े अब कौन।
तुम्हारे लिए
६
अलाव तापते बीत रहे
ठंडे ठंडे दिन।
तुम्हारे लिए
७
ठिठुर गए सब अंग
चली सर्द हवाएं।
तुम्हारे लिए
८
सेहत का खजाना ,बना
हलवा गाजर का
तुम्हारे लिए
९
बरसी बूंदे कोहरे की।
भीगा भीगा मन
तुम्हारे लिए
१०
नरम गरम ऊन के
वस्त्र और परिधान।
तुम्हारे लिए
११
मूंगफली, गजक और रेवड़ी
सर्दी की सौगात
तुम्हारे लिए
१२
सर्दी की बारिश, ओले
हुई फसल बर्बाद
तुम्हारे लिए
१३
नगर, नगर, चौराहे पर।
जला दिए अलाव।
तुम्हारे लिए
१४
जला अलाव तो भागा
सर्दी का भूत
तुम्हें
१५
मौसम की बढ़ी हलचल
बारिश बरसी कल
तुम्हारे लिए
१६
निकली धूप बदला रूप
बना टमाटर सूप
तुम्हारे लिए
१७
पुडी, पकौड़ी, आलू गोभी
गर्मागर्म चाय, कॉफी
तुम्हारे लिए
१८
बोलो क्यूँ रोता मुन्ना।
लाई एक खिलौना
तुम्हारे लिए

नवनीता दुबे नूपुर

१
सुनहरी धूप छन रही
छत की मुंडेर
तुम्हारे लिए
२
अदरक, सोंठ, वाली चाय
गाजर का हलवा
तुम्हारे लिए
३
अलाव, हीटर, स्वेटर, शाल
सोंठ के लड्डू
तुम्हारे लिए
४
जाड़ों की सर्द रात
सर्द से जज्बात,
तुम्हारे लिए
५
शीत से बचें सलाह
ढेर सारी परवाह
तुम्हारे लिए
६
जुराबें, टोपा, कोट, स्वेटर
शीत लहर बचाव
तुम्हारे लिए
७
सूखे मेवे, काली मिर्च
हमेशा रहे पास
तुम्हारे लिए
८
फरवरी माह, कम हुआ
जाड़े का जुल्म
तुम्हारे लिए
९
दिन में हो गया
ताप भी मध्यम,
तुम्हारे लिए
१०
बस कुछ दिन और
उड़न छू सर्दी
तुम्हारे लिए

- मंडला, मप्र

सुमन बिष्ट

१
गुनगुनी धूप में बैठ
मैंने फायकू लिखे
तुम्हारे लिए
२
सर्दी में गरमा-गरम
स्वादिष्ट पकवान बनाए
तुम्हारे लिए
३
क्रोशिया से ऊन का
सुंदर मफलर बनाया
तुम्हारे लिए
४
स्वेटर पर कढ़ाई कर
सुंदर डिजाइन बनाया
तुम्हारे लिए
५
कुछ गर्म कपड़ों का
ऑनलाइन ऑर्डर किया
तुम्हारे लिए
६
अदरक वाली चाय बनायी
मग में लाई
तुम्हारे लिए
७
शलगम का शोरबा बनाकर
धनिया डालकर सजाया
तुम्हारे लिए
८
गर्म रजाई में बैठकर
कुछ ख्वाब बुने
तुम्हारे लिए
- नोएडा

डॉ. भूपेन्द्र कुमार

१
सर्दी का मौसम सदा
सेहत दे भरपूर
तुम्हारे लिए
२
सेहत देते जाड़े और
चेहरे पर नूर
तुम्हारे लिए
३
ऊनी कपड़े जर्सी टोपा
सर्दी के तोहफे
तुम्हारे लिए
४
जाड़ों में चाय कॉफी
पकौड़ी में स्वाद
तुम्हारे लिए
५
सेहत के साथ चौकसी
सर्दियों में जरूरी
तुम्हारे लिए
६
उँगलियाँ सूजाती हैं सर्दियाँ
लाती जुकाम खांसी
तुम्हारे लिए
७
सर्दी में लापरवाही देती
जोड़ों के दर्द
तुम्हारे लिए
८
सुबह गर्म पानी पीना
जरूरी है व्यायाम
तुम्हारे लिए
९
स्कूल दफ्तर कहीं जाना
जरूरी तन ढकना
तुम्हारे लिए
१०
गुलाब जल ग्लिसरीन नींबू
त्वचा पर लगाओ
तुम्हारे लिए
११
नींद लो खुश रहो
सर्दी में हितकर
तुम्हारे लिए
१२
धूप में तन सेंकना
सर्दियों की दवा
तुम्हारे लिए

- धामपुर बिजनौर उ.प्र.

नरेश सिंह नयाल

देहरादून,उत्तराखंड

१
शीत ऋतु की सर्दी
जाड़े की ठिठुरन
तुम्हारे लिए

२
गर्म कपड़ों की जकड़न
सांसों की कंपन
तुम्हारे लिए

३
चाय पकोड़ियों का स्वाद
मित्रों की महफिल
तुम्हारे लिए

४
गर्म पानी से नहाना
गंगा मैया जपना
तुम्हारे लिए

५
परिवार के साथ बैठकर
गजक मूंगफली खाना
तुम्हारे लिए

६
गरम हलवा मिल जाए
चाव से खाना
तुम्हारे लिए

७
शुष्क त्वचा हो जाए
चमड़ी फट जाए
तुम्हारे लिए

८
अंगीठी के संग बैठकी
गर्माहट रिश्तों की
तुम्हारे लिए

९
मुश्किल बाहर निकलना होता
कड़ाके की ठंडी
तुम्हारे लिए

१०
बर्फ पहाड़ों की छटा
मनोरम दृश्य होते
तुम्हारे लिए

सुनीता चक्रपाणि

१
मौसम है आते जाते
सर्दी, गर्मी, वर्षा
तुम्हारे लिए

२
सर्दी एक किसान की
फसल उगाना मुश्किल
तुम्हारे लिए

३
बॉर्डर पर तैनात सैनिक
रक्षा करें कैसे
तुम्हारे लिए

४
गर्म कपड़े बेचता व्यापारी
फुटपाथ पर दुकान
तुम्हारे लिए

५
हीटर लगी दुकान पर
शोकेश वाले कपड़े
तुम्हारे लिए

६
चौराहे पर अलाव जलते
सरकारी खर्च पर
तुम्हारे लिए

७
सर्दी में धूप भी
सुंदर दुल्हन जैसी
तुम्हारे लिए

८
ठेले वाला सब्जी लाता
आता दरवाजे तक
तुम्हारे लिए

९
आओ मैंने चाय बनाई
गरम पकोड़े भी
तुम्हारे लिए

१०
जब विदा होगी सर्दी
याद आएंगे हम
तुम्हारे लिए

११
कल याद करके तुम्हें
खूब हसेंगे हम
तुम्हारे लिए

- काशीपुर उत्तराखंड

पंडित राकेश मालवीय मुस्कान

- प्रयागराज

१
सर्दी का ये मौसम
आया है कँपाने
तुम्हारे लिए

२
सावधान रहो न भाई
चेतावनी दी है
तुम्हारे लिए

३
ठिठुरन है कुछ ज्यादा
पिछले साल से
तुम्हारे लिए

४
कोहरा भी कितना बढ़ा
इस बार भाई
तुम्हारे लिए

५
बेचारे काँपते हैं रिक्शेवाले
सवारी ढोते हैं
तुम्हारे लिए

६
शीत में सिसियाता बाप
सुन लो बच्चों
तुम्हारे लिए

७
मौसम की यह निर्दयता
डराती है सिर्फ
तुम्हारे लिए

८
मामा की हाड़ काँपी
फिर मौत हुई
तुम्हारे लिए

९
हर मौसम और जाड़ा
सबसे बड़ा होता
तुम्हारे लिए

१०
घबराओ नहीं तुम अभी
स्वेटर लाया हूँ
तुम्हारे लिए

आभा मिश्रा

१
पौष माघ का शीतकाल
दिखावा पड़ेगा भारी
तुम्हारे लिए
२
नभ पर बिखरी आभा
सूर्य उदित लाल
तुम्हारे लिए
३
योग ध्यान जप तप
काढ़ा है हितकारी
तुम्हारे लिए
४
हरी मटर आलू चाय
गरम रजाई भारी
तुम्हारे लिए
५
जय जवान जय किसान
करते हैं रखवारी
तुम्हारे लिए
६
समीर बहती मंद सुगंध
धरा है हरियाली
तुम्हारे लिए
७
खिली धूप जो आज
आए हैं ऋतुराज
तुम्हारे लिए
८
ये प्यारे रिश्ते नाते
प्रेम भरी बातें
तुम्हारे लिए
९
सरसों का पीत रंग
प्रेम और अनुराग
तुम्हारे लिए
१०
मंगल गीत कोयल गाए
रंगोली सजे द्वारा
तुम्हारे लिए

– प्रयागराज उत्तर प्रदेश

रंजना हरित

१
सर्दी, ठिठुरन, कोहरा,
पाला
नरम- गरम रजाई
अतुम्हारे लिए
२.
अदरक, तुलसी, शक्कर वाली
कड़क गरम चाय
तुम्हारे लिए
३ .
तिलकुट लड्डू, बरफी पेड़ा
गाजर का हलवा
तुम्हारे लिए
४
सरसों -साग,मक्कई -रोटी
चूल्हे पर बनाऊँ
तुम्हारे लिए
५
स्वेटर, जैकिट, मौजे, मफलर
आनलाइन है खरीदें
तुम्हारे लिए
६
धूप नहीं, घना कोहरा
रूम हीटर चलाए
तुम्हारे लिए
७.
सर्दी, पाला, कोहरा, ठिठुरन
फसल बचाते किसान
तुम्हारे लिए
८.
डाक्टर,ड्राइवर,जवान, सिपाही
तत्पर है रहते
तुम्हारे लिए
९
सियाचिन सरहद पर प्रहरी
शीत लहर सहते
तुम्हारे लिए
१०
कोहरा, वर्षा, पाला, शीत
सुहाना हो मौसम
तुम्हारे लिए
– बिजनौर

मैत्री मेहरोत्रा 'मैत्री'

गाजियाबाद उ.प्र.

१
कोहरे से भरी रातें
ठिठुरन भरे दिन
तुम्हारे लिए
२
गहरा कोहरा छाया हुआ
डूबे सड़क, मकान
तुम्हारे लिए
३
कोहरे में वाहन गति
रखें धीरे श्रीमान
तुम्हारे लिए
४
गुनगुनी धूप का आनंद
सर्दी का वरदान
तुम्हारे लिए
५
मूंगफली, गजक, रेवड़ी, पट्टी
गुड़ के पकवान
तुम्हारे लिए
६
बाजरा,मक्का, साग पात
सर्दी की सौगात
तुम्हारे लिए
७
आग,अलाव,अंगीठी,आतिशदान
सर्दी में वरदान
तुम्हारे लिए
८
रजाई,कंबल,स्वेटर,शाल
टोपी, दस्ताने कमाल
तुम्हारे लिए
९
गरम चाय, काढ़ा, सूप,
और गुनगुनी धूप
तुम्हारे लिए
१०
जाड़ा गर्मी बरसात बसंत
देते अनुभव अनंत
तुम्हारे लिए

अशोक कुमार

रानी बाग कालोनी
धामपुर (बिजनौर)

१
हाड़ कंपाता जाड़ा आया
सर्द मुसीबत लाया
तुम्हारे लिए

२
जाड़े में ठिठुरे सभी
पकौड़े तलकर लाये
तुम्हारे लिए

३
गर्मागर्म पकौड़े और चटनी
मित्रों संग खाये
तुम्हारे लिए

४
अदरक तुलसी वाली चाय
लो है तैयार
तुम्हारे लिए

५
रजाई कम्बल स्वेटर जैकेट
सभी कम पड़े
तुम्हारे लिए

६
देखो बादलों के बीच
धूप निकल आयी
तुम्हारे लिए

७
जनवरी भी चली गई
रजाई न गयी
तुम्हारे लिए

८
प्रातःगर्म पानी पीना
सर्दी में लाभदायक
तुम्हारे लिए

९
गर्म पानी से नहाना
बहुत जरूरी है
तुम्हारे लिए

१०
जाड़े में बर्षा हुई
सर्द हवा चली
तुम्हारे लिए

११
कहीं कहीं ओले गिरे
ठण्ड और बढ़ी
तुम्हारे लिए

१२
पक्षी भी छिपे कहीं
सर्द हवाएँ चली
तुम्हारे लिए

१३
बिस्तर पर बैठे रहो
अखबार लाया हूँ
तुम्हारे लिए

१४
प्रातः काल कुछ व्यायाम
अति लाभप्रद है
तुम्हारे लिए

१५
सावधानी से बाहर जाये
सुरक्षा आवश्यक है
तुम्हारे लिए

१६
सर्दी में बृद्धों की
सेवा जरुरी है
तुम्हारे लिए

१७
जाड़े में बच्चों की
देखभाल आवश्यक है
तुम्हारे लिए

१८
घर पर पढ़ाना भी
बच्चों को जरुरी है
तुम्हारे लिए

१९
सर्दी के मौसम में
च्यवनप्राश लाया हूँ
तुम्हारे लिए

२०
मोटरसाइकिल से कम चलें
घना कोहरा है
तुम्हारे लिए

२१
कोहरे में यात्रा करते
मोबाइल वर्जित है
तुम्हारे लिए

२२
सन्ध्याकाल शीघ्र घर आये
शीतलहर हानिकारक है
तुम्हारे लिए

२३
बादाम मूंगफली गजक रेबड़ी
सब तैयार है
तुम्हारे लिए

२४
शीतकाल भी बीत जायेगा
मोहक बसन्तकाल आयेगा
तुम्हारे लिए

२५
जाड़े की मन्द मुस्कान
'अशोक' का प्रणाम
तुम्हारे लिए

डॉ. होशियार सिंह यादव

कनीना, महेंद्रगढ़, हरियाणा

१
किट किट करते दांत
लाये गर्म चाय
तुम्हारे लिये।

२
गर्म पानी दूध पीओ
गोंद के लड्डू
तुम्हारे लिये।

३
कंबल में सर्दी लगे
सर्दी दी भरवाय
तुम्हारे लिये।

४
भीड़ लगी दुकानों पर
लाये गर्म चाय
तुम्हारे लिये।

५
गोभी की सब्जी बने
मूली के परांठे
तुम्हारे लिये।

७
पालक का हो रायता
बाजरे की रोटी
तुम्हारे लिये।

८
कोहरा धुंध छाई है
बसंत अब आएगी
तुम्हारे लिये।

९
फूलों पर मधुमक्खी फिरे
बनाती शहद खूब
तुम्हारे लिये।

१०
शीत लहर के झोंके
लाते पवन बहार
तुम्हारे लिये।

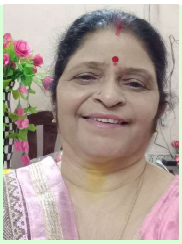

डॉ. रेखा सक्सेना

मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश

१
हे राम बहुत जाड़ा
सूरज ना निकला
तुम्हारे लिए

२
हाथ पैर ठंडे हैं
दांत किटकिटाते हैं
तुम्हारे लिए

३
हाथों में पहनो दस्ताने
बादाम कॉफी चाय
तुम्हारे लिए

४
बच्चों स्कूल से छुट्टी
डीएम द्वारा घोषित
तुम्हारे लिए

५
पारा पहुंचा शून्य पर
अलाव जले बाहर
तुम्हारे लिए

६
पूस पन्द्रह महा पच्चीस
चिल्ला जाड़े चालीस
तुम्हारे लिए

७
कोहरा कहर ढा रहा
तुलसीदल झर रहा
तुम्हारे लिए

८
सड़कों पर चहलकदमी घटी
घर बढ़ी रौनकें
तुम्हारे लिए

९
ठंड में योगा सेहतमंद
शरीर रहे ऊर्जावान
तुम्हारे लिए

१०
शिशिर सर्दी हो विदा
समशीतोष्ण आ बसंत
तुम्हारे लिए

विनीता चौरासिया

शाहजहाँपुर उत्तर प्रदेश

१
जनवरी की ये ठंड
है कितनी सुहानी
तुम्हारे लिए

२
ये जाड़े का अमृत
चाय का प्याला
तुम्हारे लिए

३
ये कोहरे की चादर
में लिपटी सुबह
तुम्हारे लिए

४
मेरी तो भोर और
यामिनी भी बस
तुम्हारे लिए

५
कोहरे ने छिपाई है
तारों की अवली
तुम्हारे लिए

६
है प्रचण्ड सी ठण्ड
अगन नेह की
तुम्हारे लिए

७
ये किरणें दिनकर की
मीठी तपन सी
तुम्हारे लिए

८
शबनम से निखरी धरा
की छटा है
तुम्हारे लिए

९
ये पिस्ता ये बर्फी
बादाम का हलवा
तुम्हारे लिए

१०
सरहद पे खड़े हैं
सजग होके प्रहरी
तुम्हारे लिए

सुनील श्रीवास्तव राज

गोरखपुर

१.
लौट रही ठंडी पुरवाई
हुए सयाने दिन
तुम्हारे लिए

२.
जाड़े की यह धूप
बहुत प्यारी लगे
तुम्हारे लिए

३.
कोहरे में लिपटी रात
और ठिठुरता दिन
तुम्हारे लिए

४.
खेतों में पीली सरसों
देख बौराए मन
तुम्हारे लिए

५.
आई वसंत की आहट
मुदित हुए पुष्प
तुम्हारे लिए

६.
घास पर फैली ओस
बन गई मोती
तुम्हारे लिए

७.
सूरज की मीठी किरणें
उतरी धरा पर
तुम्हारे लिए

८.
आती जब बर्फीली हवाएं
ठंडी होती रात
तुम्हारे लिए

९.
आसमान से उतरा कोहरा
सर्द हुई यामिनी
तुम्हारे लिए

१०.
लौटेगा अब यह जाड़ा
मानो मेरी बात
तुम्हारे लिए

साधना

दिल्ली

१
कोहरे की ओट से
ठिठुरता सूरज झांकता
तुम्हारे लिए
२
धुंध,कोहरा,ठंडक,ठिठुरन
शीत लाती है
तुम्हारे लिए
३
साम्राज्य धुंध का फैला
हुई दृष्टि सीमित
तुम्हारे लिए
४
नहा रही दुनिया सारी
पंच स्नान बचा
तुम्हारे लिए
५
चाय कॉफी है प्राणसुधा
देती ऊष्मा क्षणिक
तुम्हारे लिए
६
लबादा,रजाई,कम्बल,शॉल
सब हुए प्रभावहीन
तुम्हारे लिए
७
शीत लहर की सुनामी
बेअसर सभी उपाय
तुम्हारे लिए
८
हवा जाने कहां से
रजाई में घुसती
तुम्हारे लिए
९
रेवड़ी, फुल्ले, मूंगफली, पंजीरी
भिजवा रही हूं
तुम्हारे लिए
१०
प्रतीक्षा है धूप की
गुनगुनी जल्दी खिले
तुम्हारे लिए

निर्मला जोशी 'निर्मल'

हलद्वानी, देवभूमि, उत्तराखंड

१
ठिठुरती हुई सर्दी में
अलाव जलाए हैं
तुम्हारे लिए
२
कभी कोहरा कभी धूप
रंग बदलती सर्दी
तुम्हारे लिए
३
गर्म गर्म मुंगफली खुशबुदार
सर्दी लेकर आती
तुम्हारे लिए
४
गुनगुनी धूप में बैठकर
ऊन सलाई चलाती
तुम्हारे लिए
५
ताजी हरी हरी मटर
सर्दी लेकर आती
तुम्हारे लिए
६
कंपकपाती सर्दी में लाई
मसालेदार गर्म चाय
तुम्हारे लिए
७
पाला बर्फ ओस तुसार
सर्दी के तोहफे
तुम्हारे लिए
८
सर्दी बड़ी हठीली है
पर सौगातें लाती
तुम्हारे लिए
९
पालक बथुआ सरसों चना
बढ़िया बना साग
तुम्हारे लिए
१०
करारी गरम मूंगफली खाओ
ठेली घुमाता वो
तुम्हारे लिए

सुनीता चक्रपाणि

काशीपुर उत्तराखंड

१
सर्दी का मौसम अनोखा
लाया विभिन्न उपहार
तुम्हारे लिए
२
ठंड से ठिठुरती राते
कंबल, रजाई , अलाऊ
तुम्हारे लिए
३
सुबह की शीत लहर
गुनगुनी सी धूप
तुम्हारे लिए
४
दोपहर फुर्सत वाले क्षण
मूंगफली, रेवड़ी , पॉपकॉर्न
तुम्हारे लिए
५
सरसों का साग ,भूजी
मक्का की रोटी
तुम्हारे लिए
६
अंगीठी पर बनता हुआ
गाजर का हलवा
तुम्हारे लिए
७
गरमाता हुआ गर्म सूट
टोपी, मफलर, मोजे
तुम्हारे लिए
८
लोहड़ी से बसंत पंचमी
त्योहारों की बहार
तुम्हारे लिए
९
फिर जाती हुई सर्दी
खिलती हुई प्रकृति
तुम्हारे लिए

डॉ. माया सिंह माया

उरई जालौन उत्तर प्रदेश

१
झांकता है सूर्य अभी
देखो बादलों से
तुम्हारे लिए
२
सर्दीली सासें भी हैं
माला जप रहीं
तुम्हारे लिए
३
ठंड से अकड़ी अस्थियां
गर्माएं जला अलाव
तुम्हारे लिए
४
बर्फ पानी हो गया
जल रहा हीटर
तुम्हारे लिए
५
ठंड कितनी हो भले
शक्ति की ऊष्मा
तुम्हारे लिए
६
घी जमा दीपक का
फिर भी जल रहा
तुम्हारे लिये
७
सर्दियां हैं क्या हुआ?
सबकी ऊर्जा है
तुम्हारे लिए
८
ठिठुरन, गलन, ले आई
वासंती पवन
तुम्हारे लिए
९
धुंध, कोहरा, छट रहा है
जलती मसालें हैं
तुम्हारे लिए

वीना आडवाणी तन्वी

नागपुर, महाराष्ट्र

१
शीत लहर दौड़ रही
हरी शाक भाजी
तुम्हारे लिए

२
देखो सुंदर चित्र गड़ा
स्वेटर बुनी मैं
तुम्हारे लिए

३
आंचल मे मां छुपाए
बच्चों को अपने
तुम्हारे लिए

४
गर्म सूप, गाजर हल्वा
बनाके खिलाई तुमको
तुम्हारे लिए

५
तुम्हें कहती रजाई डालो
खुद कपड़े धोती
तुम्हारे लिए

६
शीतल पवन गर्म खाद्यय
स्वादिष्ट लड्डू मेवे
तुम्हारे लिए

७
सरसों का साग बना
साथ बाजरा रोटी
तुम्हारे लिए

८
छत पर पाल बिछाकर
संग धूप सेंकना
तुम्हारे लिए

९
पालक को जाना कमाने
क्या सर्दी गर्मी
तुम्हारे लिए

१०
फेरी वाले भी बेचे
गर्म कपड़े, खाद्य
तुम्हारे लिए

आलोक त्यागी

१
अजब सर्दी गजब सर्दी
रोज बढ़ती जाती
तुम्हारे लिए

२
पौष, माघ, दो महीने
ज्यादा सर्दी लाए
तुम्हारे लिए

३
बच्चे, बूढ़े और जवान
सर्दी से परेशान
तुम्हारे लिए

४
काजू, बादाम, और छुआरे
भगाते सर्दी सारे
तुम्हारे लिए

५
लोई, कंबल, और रजाई
सर्दी सबने भगाई
तुम्हारे लिए

६
जर्सी,स्वेटर,और कोट
सर्दी पर चोट
तुम्हारे लिए

७
सर्दी में हीटर,अलाव,
करते है बचाव
तुम्हारे लिए

८
पाला, कोहरा, बर्फीली हवाएं
सर्दी में आए
तुम्हारे लिए

९
आती है शीत ऋतु
मोहक हुआ विहान
तुम्हारे लिए

१०
सर्दी की स्वर्णिम भोर
मन होता विभोर
तुम्हारे लिए

विनोद शर्मा

धामपुर (बिजनौर)

१.
अजब गजब सर्दी ने
धरा विकट रूप
तुम्हारे लिए

२
वातायनों से आते हुए
शीत के झोके
तुम्हारे लिए

३.
पहाड़ों की ठण्डी हवा
घर पर ही
तुम्हारे लिए

४.
सघन घना कोहरा आया
चहुंदिसि धुंध छाया
तुम्हारे लिए

५.
हाड़ तपायी, शीत भगायी
उसने अलाव जलायी
तुम्हारे लिए

६.
गरमा गरम बिस्तर में
वह चाय लायी
तुम्हारे लिए

७.
गलंत गलाती सर्दी मे
वह कपड़े धोती
तुम्हारे लिए

८.
करती झाड़ू पोंछा बर्तन
भयंकर जाड़े में
तुम्हारे लिए

९.
क्या जाड़ा उससे दूर
कर्मनिष्ठ या मजबूर
तुम्हारे लिए

१०.
शीत का प्रचण्ड कोप
दे गया चेतावनी
तुम्हारे लिए

११.
ऋतु चक्र है विशेष
रक्षा का संदेश
तुम्हारे लिए

अक्षि त्यागी

नजीबाबाद

१.
कोहरे की धुंध है
करती सर्दी आगाज
तुम्हारे लिए

२.
ठंड का है मौसम
कड़क अदरक चाय
तुम्हारे लिए

३.
फटे हुए हाथ है
सर्दी से बेहाल
तुम्हारे लिए

४.
जाड़े की धूप हो
टमाटर सूप हो
तुम्हारे लिए

५.
सोच रही थी लाऊँ
एक स्वेटर, सर्दी
तुम्हारे लिए

६.
सर्दी ने दस्तक दी
निकले कम्बल रजाई
तुम्हारे लिए

७.
सर्दी हो और हो
बाजरे की रोटी
तुम्हारे लिए

८.
तन पर ऊनी कपड़े
पतले लगे मोटे
तुम्हारे लिए

९.
किटकिटाते दांत बोलते है
ठिठुरते है हाथ
तुम्हारे लिए

१०.
जलता हुआ हो अलाव
खाने में पुलाव
तुम्हारे लिए

सर्दी के फायकू

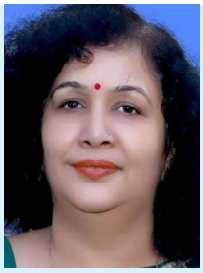

प्रो, पूनम चौहान

१
बहुत दिनों के बाद
आया ठंडा साल
तुम्हारे लिए
२
जाड़ा चढ़ जाए, पियो
अदरक तुलसी चाय
तुम्हारे लिए
३
कोहरा, पाला, शीतलहर
सर्दी गजब पड़ी
तुम्हारे लिए
४
निकला सुबह का सूरज
छंट गई धुंध
तुम्हारे लिए
५
सुगम पाखी का संगीत
छेड़े अब कौन
तुम्हारे लिए
६
अलाव तापते बीत रहे
ठंडे ठंडे दिन
तुम्हारे लिए
७
ठिठुर गए सब अंग
चली सर्द हवाएं
तुम्हारे लिए
८
सेहत का खजाना, बना
हलवा गाजर का
तुम्हारे लिए
९
बरसी बूंदे कोहरे की
भीगा भीगा मन
तुम्हारे लिए
१०
नरम गरम ऊन के
वस्त्र और परिधान
तुम्हारे लिए
११
मूंगफली, गजक और रेवड़ी
सर्दी की सौगात
तुम्हारे लिए
१२
सर्दी की बारिश, ओले
हुई फसल बर्बाद
तुम्हारे लिए
१३
नगर, नगर, चौराहे पर
जला दिए अलाव
तुम्हारे लिए
१५
जला अलाव तो भागा
सर्दी का भूत
तुम्हारे लिए
१६
शीत लहर की बरछियां
घुसती अस्थि पार
तुम्हारे लिए
१७
बूंद बूंद बरसे कुहर
घुलती जाती ठंड
तुम्हारे लिए
१८
अलग सदा सबको रहा
सर्दी का एहसास
तुम्हारे लिए
१९
ऋतु परिवर्तन सदा ही
देता नए आयाम
तुम्हारे लिए
२०
झड़ते पत्ते, सूखी घास
फागुन का संदेश
तुम्हारे लिए

एस बी डी महिला महाविद्यालय
धामपुर बिजनौर
उत्तर प्रदेश

अमन कुमार त्यागी

१
हल्की धूप, हल्की हवा
दोनों हैं मनभावन
तुम्हारे लिए
२
गर्म चाय, गर्म पकौड़े
हैं सब मजेदार
तुम्हारे लिए
३
जर्सी, स्वेटर, टोपी, मफलर
सबके सब हैं
तुम्हारे लिए
४
गुनगुना पानी, बड़ा लाभकारी
रखना जरूरी ध्यान
तुम्हारे लिए
५
धूप के लिए तरसें
कोहरा खूब बरसे
तुम्हारे लिए
६
रात लंबी, दिन छोटा
लगे सर्दी प्यारी
तुम्हारे लिए
७
गजक, मूंगफली, रेबड़ी, तिल
सेहत का सामान
तुम्हारे लिए
८
जुकाम, बुखार, सर दर्द
बनाओ काढ़ा मजेदार
तुम्हारे लिए
९
गुलाब, गेंदा, रात रानी
लगाए सब पौधे
तुम्हारे लिए

फायकू सम्मेलन संपन्न, फायकूकारों ने सुनाए एक से बढ़कर एक फायकू

नजीबाबाद। फायकू हिंदी साहित्य की रोचक विधा है। जिसमें लगातार नए नए फायकू रचने वाले साहित्यकार जुड़ रहे हैं। सर्दी पर आधारित फायकू सम्मेलन में सभी फायकूकारों ने एक से बढ़कर एक फायकू सुनाए। यह सम्मेलन अमन कुमार त्यागी के आवास पर वरिष्ठ लेखक एवं समाजसेवी रश्मि अग्रवाल की अध्यक्षता एवं अमन कुमार त्यागी के संचालन में हुआ। इस अवसर पर धामपुर से आए डॉ. अनिल शर्मा 'अनिल' मुख्य अतिथि रहे।

फायकू सम्मेलन में भाग लेने वाले सभी फायकूकारों ने एक से बढ़कर एक फायकू सुनाए और जमकर वाहवाही लूटी। सुधीर कुमार राणा ने सुनाया-

पहन स्वेटर मफलर डाल,
बन गये केजरीवाल,
तुम्हारे लिए।
धूप को तरस गये,
जीना हुआ मुहाल,
तुम्हारे लिए।
गर्म चाय की चुस्की,
सर्दी की मस्ती,
तुम्हारे लिए।
सर्दी और गिरती ओस,
घंटा हुई मदहोश,
तुम्हारे लिए।

संदीप कुमार शर्मा ने सुनाया-

जाड़े का मौसम आया,
ठिठुर गए हम,
तुम्हारे लिए।
पानी बहुत ठंडा लगता,
फिर भी नहाते,
तुम्हारे लिए।
गर्म कपड़े हम पहनते,
सर्दी से बचते,
तुम्हारे लिए।
सर्दी में चाय पीते,
कई कई बार,
तुम्हारे लिए।

डॉ. बेगराज यादव 'प्रणाम सर' ने सुनाया-

ठंड में ठिठुरता तन,
बेचेन हुआ मन,
तुम्हारे लिये। गलन का लगा दरवाजा,
ओस बनी पहरेदार,
तुम्हारे लिये। गाजर हलवा, गर्मागर्म पकौड़ी चाय के साथ तुम्हारे लिये।
दस्ताने मफलर बूट जैकेट,
बनी कश्मीरी कली,
तुम्हारे लिये। डॉ. प्रमोद शर्मा 'प्रेम' ने सुनाया-
सर्दी बडा विषम मौसम,
काल गरीबी में,
तुम्हारे लिए।
जाडे में कांपे गात,
कंबल दे साथ,
तुम्हारे लिए।
सर्दी में आहत सूरज,
निकलना चाहता है,
तुम्हारे लिए ।
धीरे धीरे ढल रही,
सर्दी की शाम?
तुम्हारे लिए।

अनिल शर्मा 'अनिल' ने सुनाया-

हाड़ कंपाती यह सर्दी,
मौसम हुआ बेदर्दी,
तुम्हारे लिए।
ओढ़ कोहरे की चादर,
सूर्यदेव बैठे घर,
तुम्हारे लिए।
ओस, पाला, कोहरा घना,
मौसम हुआ अनमना
तुम्हारे लिए।
शुष्क न हो खाल,
रखो थोड़ी देखभाल
तुम्हारे लिए।

अक्षि त्यागी ने सुनाया-

सर्दी हो और हो,
बाजरे की रोटी,
तुम्हारे लिए।
तन पर ऊनी कपड़े,
पतले लगे मोटे,
तुम्हारे लिए।
किटकिटाते दांत बोलते है,
ठिठुरते है हाथ,
तुम्हारे लिए।
जलता हुआ हो अलाव,
खाने में पुलाव,
तुम्हारे लिए।

अमन कुमार त्यागी ने सुनाया-

फायकू एक दो तीन,
बेले सर्दी सर्दी,
तुम्हारे लिए।
मक्का बाजरा धान चावल,
गजक रेवड़ी मिठाई,
तुम्हारे लिए।
कंबल रजाई स्वेटर मफलर,
निकले संदूक से,
तुम्हारे लिए।
शब्द संपदा बड़ी शक्ति,
काम आए भक्ति,
तुम्हारे लिए।

यशोधर डबराल ने सुनाया-

मौसम सर्द, आतशी साँसे,
है मेरा समर्पण?
तुम्हारे लिए।
हाड़ कंपाए, शीत हवाएं,
ये चमका सूरज,
तुम्हारे लिए।
गर्म मूंगफली, गजक-रेबड़ी,
सब थाल सजाए,
तुम्हारे लिए।
मुझसे थी नाराज प्रिये!
ले आया स्वेटर,
तुम्हारे लिए।

रश्मि अग्रवाल ने सुनाया-

घर की दीवार पर तस्वीर सी टंगी
तुम्हारे लिए।
न सुलझी न सुलझेगी,
विषबेल की गांठ,
तुम्हारे लिए।
कभी वंदन कभी अभिनंदन,
प्रार्थनाओं का संगम,
तुम्हारे लिए।
धूल धुआं चारो ओर,
कैसे लूं सांस,
तुम्हारे लिए।

इस अवसर पर स्रोताओं ने फायकू विधा को एक नायाब विधा बताया और अध्यक्षता कर रही रश्मि अग्रवाल ने कहा कि फायकू वह विधा है जो रोचक है, गंभीर है और कम शब्दों में भाव व्यक्त करने का यह सशक्त माध्यम है।